B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Sanskrit - A

[New Scheme=w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. पदसंज्ञक सूत्र निर्दिष्ट करते हुए पदों को उदाहरण सहित लिखें । 5

2. **सन्धि एवं सन्धिच्छेद करें ।** 10
देव + इन्द्रः, मधवरिः, वाक् + हरिः, तथैव, निरोगः, विद्या + आलयः, उज्ज्वलः, मन + रथः, वागीशः, जगत् + ईशः ।

3. क) **निम्न समस्त पदों का विग्रह करते हुए समास का नाम भी लिखें।**
यथाशक्ति, प्राचार्यः, कृष्णश्रितः, कृष्णसर्पः, जितेन्द्रियः । 5

ख) **निम्न तद्धित पदों में से प्रकृति एवं प्रत्यय को पृथक् करें।** 5
ग्रामीणः, पशुता, दाशरथिः, मानवः, गार्ग्यः ।

4. क) **निम्न अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग करें।** 5
उभयतः, श्वः, अन्तरा, साकम्, कदा ।

ख) **निम्न स्त्री प्रत्ययान्त रूप लिखें।** 5
कुमार, नर्तक, गोप, बाल, मृग ।

5. **निम्न शब्दों के सभी विभक्तियों एवं वचनों में शब्द रूप लिखें।** 15
राम, युष्मत्, ज्ञान, राजन्, मति ।

6. **संस्कृत में अनुवाद करें ।** 20

क) गंगा भारत की सबसे पवित्र नदी है।

ख) माता पुत्र को विद्यालय भेजती है।

ग) उसे गीता पढ़नी चाहिए।

घ) शिष्य नमस्कार करता हुआ घर गया।

ङ) गुरू शिष्य को पढ़ाता है।

च) अशोक भारत पर शासन करता था।

छ) मैं मित्र से प्रश्न पूछूंगा।

ज) ईश्वर सबकी रक्षा करता है।

झ) माता शिशु को दूध पिलाती है।

ञ) विद्वान् की सब जगह पूजा होती है।

[P.T.O.]

7. **हिन्दी में अनुवाद करें।** 10

क) पण्डितानां समाजे अपण्डितो मौनं भजेत् ।

ख) नीचः श्लाध्यपदं प्राप्य स्वामिनं-हन्तुमिच्छति ।

ग) ईश्वरस्य कृपया तस्य शरीरं नीरोगमभवत् ।

घ) ईश्वरोऽस्माकं सर्वेषां पिता वर्तते ।

ङ) गतवर्षे सः परीक्षायामुत्तीर्णो नाभवत्, अतः परिश्रमेण पठति ।

8. **शुद्ध करें।** 10

क) छात्रद्वयं क्रीडतः ।

ख) हिमालयेन गंगा प्रभवति ।

ग) मम मने सन्देहः ।

घ) हरिः आसने अधितिष्ठति ।

ङ) राजमार्गस्य उभयतः वृक्षाः सन्ति ।

च) भवान् मम मित्रोऽसि ।

छ) देवं नमः ।

ज) नरः इह जन्मे भक्तिं कुर्यात् ।

झ) राजा खड्गेन अप्रहरत् ।

ञ) शिष्ये क्रुध्यति गुरुः ।

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Sanskrit - B

[**New Scheme**=w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 | Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. **किन्हीं तीन श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करें।** 18

क) मानो वा दर्पो वा विज्ञानं विभ्रमः सुबुद्धिर्वा।
सर्वं प्रणश्यति समं वित्तहीनो यदा पुरुषः।।

ख) कुपुत्रोऽपि भवेत्पुसां हृदयानन्दकारकः।
दुर्विनीतः कुरूपोऽपि मूर्खोऽपि व्यसनी खलः।।

ग) बुद्धेर्बुद्धिमतां लोके नास्त्यगम्यं हि किञ्चन।
बुद्धया यतो हता नन्दाश्चाणक्येनासिपाणयः।।

घ) यस्त्यक्त्वा सापदं मित्रं याति निष्ठुरतां वहन्।
कृतघ्नस्तेन पापेन नरके यात्यसंशयम्।।

2. अन्धे कुबड़े और तीन स्तनों वाली राजकुमारी की कथा अपने शब्दों में लिखें। 12

3. **किन्हीं तीन श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करें।** 21

क) इच्छाद्वेषात्मिका तृष्णा सुखदुःखात्प्रवर्तते।
तृष्णा च सुखदुःखानां कारणं पुनरुच्यते।।

ख) समुत्थानं च लिङ्गं च यः शोषस्यावबुध्यते।
पूर्वरूपं च तत्त्वेन स राज्ञः कर्तुमर्हति।।

ग) आत्मेन्द्रियमनोऽर्थानां सन्निकर्षात् प्रवर्तते।
व्यक्ता तदात्वे या बुद्धिः प्रत्यक्षं सा निरुच्यते।।

घ) साध्वसाध्वितिविवेकवियुक्तो लोकपक्तिकृतभक्तिविशेषः।
बालिशो भवति, नो खलु विद्वान् सूक्त एव रमते मतिरस्य।।

4. आयु का लक्षण देते हुए सुखादि आयुओं का विस्तृत वर्णन करें। 9

5. **किन्हीं तीन श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करें।** 21

क) कायवाग्बुद्धिविषया ये मलाः समुपस्थिताः।
चिकित्सा लक्षणाध्यात्मशास्त्रैस्तेषां विशुद्धयः।।

ख) यथा नेच्छति नीरोगः कदाचित् सुचिकित्सकम्।
तथाऽऽपद्रहितो राजा सचिवं नाभिवाञ्छति।।

ग) आत्मानदी संयमपूर्णतीर्था, सत्योदका शीलतटा दयोर्मिः।
तत्राभिषेकं कुरु पाण्डुनन्दन, न वारिणा शुद्धयति चान्तरात्मा।।

घ) प्रक्षालयेदद्भिरास्यं भुञ्जानस्य मुहर्मुहुः।
विशुद्धरसने तस्मै रोचतेऽन्नमपूर्ववत्।।

6. [illegible] अध्याय का सार अपने शब्दों में लिखें। 9

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Ayurved Ka Itihas

[New Scheme=w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. बृहत्त्रयी में वर्णित संहिताओं एवं उनकी विशेषताओं का विस्तार से वर्णन करें। 15

2. प्राचीन काल में ग्रीस और भारत के सम्बन्धों पर प्रकाश डालते हुए अशोक के शिलालेखों का संक्षिप्त वर्णन करें। 15

3. रसशास्त्र के उत्पत्ति काल, विकास क्रम एवं विशेषताओं का वर्णन करें। 15

4. वेदों में आयुर्वेद का वर्णन करते हुए बौद्ध साहित्य में आयुर्वेद सम्बन्धित विषयों का परिचय लिखें। 15

5. वैदिक काल में आयुर्वेद की स्थिति एवं आचार्यों का वर्णन करें। 15

6. **टिप्पणी लिखें ।** 5 + 5 + 5 = 15

   क) सुश्रुत संहिता में वर्णित आयुर्वेद अवतरण क्रम ।

   ख) विश्व स्वास्थ्य संगठन ।

   ग) शार्ङ्गधर संहिता ।

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Rachna Sharir-A

[**New Scheme** -w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. "षडङ्ग. शरीर" का क्या तात्पर्य है। अंग-प्रत्यंग विभाग बताते हुए शरीरोत्पत्ति में गर्भवृद्धिकर भाव बतायें । 15

2. चरक एवं सुश्रुत मतानुसार 'गर्भ' की परिभाषा को ससूत्र लिखते हुए आयुर्वेद मतानुसार गर्भ में लिंग भेद के कारणों को समझायें। 15

3. **टिप्पणी लिखें ।** 5 + 5 + 5 = 15
   क) धमनी
   ख) संघात
   ग) आधुनिक शरीर-रचना के विभाग

4. अस्थि संख्या में मत वैभिन्य के कारण को समझाते हुये, 'मणिबन्ध' सन्धि का सचित्र वर्णन करें। 15

5. 'सिरा', 'धमनी' एवं 'स्त्रोतस्' की परिभाषा एवं संख्या का उल्लेख करते हुये 'शरीरस्य स्त्रोतोमयत्वम' की स्पष्ट व्याख्या करें। 15

6. **टिप्पणी लिखें।** 5 + 5 + 5 = 15
   क) उत्ताननी
   ख) रस कुल्या
   ग) पेशियों के महत्व

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Rachna Sharir-B

[**New Scheme** -w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर में आवश्यकता के अनुसार रंगीन चित्र बनायें।

1. कोष्ठ किसे कहते हैं? विभिन्न आचार्यों के मत से कोष्ठांगों की नामावली लिखें, साथ ही प्लीहा का सचित्र वर्णन करें। 2 + 3 + 10 = 15

2. पीयूषिका ग्रन्थि का सचित्र वर्णन करें। 15

3. **टिप्पणी लिखें।** 5 + 5 + 5 = 15
   - क) फुफ्फुसावरण कला
   - ख) त्वक् का स्वरूप एवं निर्माण
   - ग) वृषण

4. सुषुम्नाशीर्ष का सचित्र वर्णन करें। 15

5. चक्षुइन्द्रिय का सचित्र वर्णन करें। 15

6. **टिप्पणी लिखें।** 5 + 5 + 5 = 15
   - क) इड़ा एवं पिंगला नाड़ीयां
   - ख) त्रिमर्म
   - ग) आमाश्य का अंगरेखांकन

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Kriya Sharir-A

[**New Scheme** -w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. देहप्रकृति निर्माण, भेद एंव पित्त प्रकृति को विस्तार से लिखें। 15

2. पित्तदोष का स्वरूप, गुण, स्थान, भेद एवं कर्मो का वर्णन करें। 15

3. हृदय कार्य चक्र का विस्तार से वर्णन करें। 15

4. अग्नि की परिभाषा एवं विभिन्न अग्नियों का वर्णन करें। 15

5. न्याय किसे कहते हैं? इनके भेदों का विस्तार से वर्णन करें। 15

6. निम्न में से <u>किन्ही तीन पर</u> टिप्पणी लिखें । 5 + 5 + 5 =15

   क) महास्रोत

   ख) अन्नवाशय

   ग) जीवनीय तत्व बी

   घ) मल

   ड.) आहार

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Kriya Sharir-B

[**New Scheme** -w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रस धातु की उत्पत्ति विधि लिखकर रस धातु की क्षय वृद्धि के लक्षण लिखिये। 15

2. शुद्ध रक्त के लक्षण लिखते हुए रक्त स्कन्दन प्रक्रिया समझाइये। 15

3. ओज एवं बल के पारस्परिक सम्बन्ध लिखकर ओजोव्यापद् का वर्णन करें। 15

4. आहार मलों का निर्देश करते हुए पुरिषोत्पत्ति क्रिया समझाइये। 15

5. षड्चक्र का वर्णन करें। 15

6. **निम्न पर टिप्पणी लिखें ।** 5 + 5 + 5 =15

   क) पञ्चेन्द्रियां

   ख) निद्रा

   ग) पश्च पीयूष ग्रन्थी के स्राव

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Padarth Vigyan-A

[w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दर्शन शब्द की व्याख्या करते हुए सिद्ध कीजिए कि आयुर्वेद एक स्वतंत्र मौलिक दर्शन है। 15

2. पदार्थ के लक्षण तथा भेद का वर्णन कीजिए। 15

3. कारण द्रव्यों का वर्णन करते हुए, तम द्रव्य नहीं है, कारण स्पष्ट करें। 15

4. गुण का लक्षण, संख्या बताते हुए सामान्य गुणों का चिकित्सीय महत्व लिखें। 15

5. कर्म का लक्षण, भेद बताते हुए, आयुर्वेद की दृष्टि में कर्म की उपयोगिता का वर्णन कीजिए। 15

6. विशेष का निरूपण, लक्षण, भेद बताते हुए चिकित्सा में उपयोगिता का वर्णन कीजिए। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Padarth Vigyan - B

[New Scheme=w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. "ज्ञानोत्पत्ति" के प्रकार स्पष्ट करते हुए "प्रत्यक्ष प्रमाण" का लक्षण तथा इसकी आयुर्वेद में उपयोगिता का उल्लेख करें। 15

2. "अनुमान प्रमाण" का लक्षण एवं भेद बताते हुए "पञ्चावयव" पर प्रकाश डालें। 15

3. प्रमा, प्रमेय, प्रमाता, प्रमाण को परिभाषित करते हुए स्मृति के कारण एवं प्रकार का वर्णन करें। 15

4. "कार्य कारण वाद" क्या है? इसे समझाते हुए पीलुपाक व पिठरपाक की उदाहरण सहित व्याख्या करें। 15

5. अष्ट प्रकृति षोडश विकार क्या है? इनका संक्षेप में वर्णन करें। 15

6. त्रिगुण से आप क्या समझते हैं? इनके लक्षण स्पष्ट करते हुए इनके अन्योन्याश्रयत्व का वर्णन करें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2009/01

Ashtang Hridya

[**New Scheme** -w.e.f. admission 2007 & onwards]

M.M. : 90 Time : 3 Hours

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. ऋतुचर्या से आप क्या समझते हैं? वर्तमान काल में इसकी प्रतियोगिता प्रतिपादित करते हुए वर्तमान काल में चल रही ऋतु की ऋतुचर्या का वर्णन करें। 15

2. त्रिदोष के स्थानों का उल्लेख करते हुए इनके भेदों का संक्षेप में वर्णन करें। 15

3. क) आहार की मात्रा का लक्षण लिखते हुए मात्रावत् आहार की उपयोगिता सिद्ध करें। 9
   ख) निद्रा का संक्षिप्त वर्णन करते हुए अकाल शयन से होने वाली हानि का उल्लेख करें। 6

4. क) सर्वोत्तम स्नेह क्या है? स्नेह की मात्रा एवं अनुपान का वर्णन करें। 8
   ख) नस्य के भेद बताते हुए प्रधमन नस्य का संक्षिप्त वर्णन करें। 7

5. **सारगर्भित टिप्पणी लिखें ।**
   क) त्रिफला 4
   ख) क्षार कर्म 5
   ग) शस्त्र कर्म 5

6. **संक्षिप्त उत्तर लिखें ।** 4 x 4 = 16
   क) धूमपान
   ख) अंजन
   ग) संसर्जन क्रम
   घ) ओज